दृष्टि
The Vision

करेंट अफेयर्स हरियाणा

सितंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

हरियाणा

- एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन 5
- स्मार्ट मीटर जागरूकता सप्ताह 5
- 'पार्कर बेवर्ली एंड द टेल ऑफ सिक्स चेक्स' 6
- 'हरियाणा पर्यावरण और प्रदूषण संहिता' पुस्तक का विमोचन 6
- आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में गरीब परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा 6
- 'इंटरनेशनल हरियाणा एजुकेशन सोसाइटी' के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 7
- हरियाणा में गन्ने का मूल्य देश में सर्वाधिक 7
- शिवांशी यादव 8

नोट :

- हर-हित स्टोर 8
- बकरियों का भी कृत्रिम गर्भाधान 9
- ऑनलाइन तबादला नीति पार्ट-2 9
- परिवार पहचान-पत्र 9
- रियल टाइम डाटा अधिग्रहण प्रणाली (RTDAS) 10
- गोयल साइंस पुरस्कार की घोषणा 10
- वाणिज्य उत्सव 11
- हरियाणा मधुमक्खीपालन नीति-2021 और कार्य योजना 2021-2030 11
- 'गीता महोत्सव' की तर्ज़ पर 'कृष्ण उत्सव' 12
- हर-हित रिटेल स्टोर 12
- पानीपत में पेंट निर्माण सुविधा हेतु आदित्य बिड़ला समूह द्वारा 1140 करोड़ रुपए का निवेश 13

नोट :

➢ गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण प्रजनन पर राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित 13

➢ हरियाणा का पहला मशरूम सर्वेक्षण 14

➢ पल्स पोलियो 2021-22 के दूसरे उप-राष्ट्रीय टीकाकरण (एसएनआईडी) दौर का उद्घाटन 14

➢ 'समर्पण' पोर्टल 15

➢ विदेश सहयोग विभाग (FCD) की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च 15

➢ बाजरे की उपज 'भावांतर भरपाई योजना' में शामिल 16

➢ हरियाणा में पंचकूला के मोरनी-टिक्करताल में वाटर स्पोर्ट्स का शुभारंभ 17

नोट :

हरियाणा

एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

- 17 से 31 अगस्त, 2021 को दुबई (यूएई) में आयोजित एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीता।

प्रमुख बिंदु

- इस बॉक्सिंग प्रतियोगिता में पंचकुला की प्रांजल ने अंडर 17 कैटेगिरी के 70 से 75 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है।
- कैथल की कीर्ति ढुल ने 81 प्लस किलोग्राम भार में गोल्ड, संजना ने 81 किलोग्राम भार में रजत तथा लासू यादव ने कांस्य पदक जीता है।
- ओलंपिक 2028 के लिये खेल मंत्रालय ने 'वन स्टेट, वन गेम' योजना के तहत चुने गए 5 राज्यों में हरियाणा को भी शामिल किया है।
- उल्लेखनीय है कि एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज़ी संघ द्वारा किया जाता है।

स्मार्ट मीटर जागरूकता सप्ताह

चर्चा में क्यों ?

- 1 सितंबर, 2021 को हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा स्मार्ट मीटर और इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्मार्ट मीटर जागरूकता सप्ताह शुरू किया गया, जो 7 सितंबर, 2021 तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु

- स्मार्ट मीटर ऑपरेशन सेंटर और स्मार्ट मीटर अवेयरनेस वीक कार्यक्रम की शुरुआत निगम के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्युत पी.के. दास द्वारा की गई।
- दास ने कहा कि स्मार्ट मीटर ऑपरेशन सेंटर की स्थापना निगम की बड़ी उपलब्धि है। यह भविष्य में स्मार्ट मीटर से संबंधित सभी गतिविधियों के लिये नियंत्रण कक्ष के रूप में कार्य करेगा।
- उन्होंने कहा कि यह स्मार्ट मीटर कार्यक्रम के सुचारु कामकाज को बनाए रखने, सिस्टम प्रबंधन में सुधार और डिस्कॉम एवं उपभोक्ताओं के लिये स्मार्ट मीटरिंग संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इससे स्मार्ट मीटरिंग सिस्टम में पारदर्शिता आएगी और रियल टाइम मॉनिटरिंग में सुविधा होगी।
- स्मार्ट मीटर योजना के तहत उपभोक्ता वास्तविक बिजली खपत पर नज़र रख सकेंगे और ज़रूरत के मुताबिक बिजली मीटर को रिचार्ज कर सकेंगे। इसके अलावा उपभोक्ता को प्रीपेड कनेक्शन लेने के लिये किसी भी तरह की सुरक्षा जमा नहीं करनी होगी।
- उपभोक्ताओं को एसओपी के अनुसार मौजूदा बिल पर 5 फीसदी की छूट मिलेगी और मीटर रीडिंग की परेशानी भी खत्म हो जाएगी। इसके अलावा, उपभोक्ता यूएचबीवीएन स्मार्ट मीटर डाउनलोड करके मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने खाते की शेष राशि की जाँच कर सकते हैं।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) द्वारा उपभोक्ताओं को डिजिटल माध्यम से बिजली उपलब्ध करने के उद्देश्य से स्मार्ट मीटर लगाने की योजना 11 जुलाई, 2018 को ईईएसएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके शुरू की गई थी। योजना के प्रथम चरण में स्मार्ट मीटर लगाने के लिये पंचकूला, करनाल और पानीपत शहरों को चिह्नित किया गया है।

नोट :

'पार्कर बेवर्ली एंड द टेल ऑफ सिक्स चेक्स'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 14 वर्षीय युवा लेखक मास्टर पनव बाली द्वारा लिखित 'पार्कर बेवर्ली एंड द टेल ऑफ सिक्स चेक्स' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- दत्तात्रेय ने कहा कि पुस्तक इस तथ्य को उजागर करती है कि किशोर बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति से बचाया जा सकता है।
- उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे इस प्रकार के साहित्य से जुड़ें और बच्चों को इस तरह के साहित्य को पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करें, ताकि वे गलत प्रवृत्तियों से दूर रह सकें।
- इस अवसर पर राज्यपाल ने युवा लेखकों पनव, करण गिल्होत्रा, आर.सी. बाली, विशाल बाली और उनके माता-पिता को बधाई दी।

'हरियाणा पर्यावरण और प्रदूषण संहिता' पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 2 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पूर्व आईएएस अधिकारी और प्रसिद्ध कवयित्री धीरा खंडेलवाल द्वारा संकलित पुस्तक 'हरियाणा पर्यावरण और प्रदूषण संहिता' का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में कार्य करते हुए धीरा खंडेलवाल ने विभाग की समस्याओं को समझते हुए पर्यावरण एवं प्रदूषण से संबंधित कानूनों और नियमों, दिशा-निर्देशों आदि का संकलन कर इसे एक पुस्तक का रूप दिया, जो उनके अद्भुत कार्यशैली को दर्शाती है।
- इस पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए श्रीमती खंडेलवाल ने कहा कि हरियाणा के पर्यावरण और प्रदूषण से संबंधित कानून एवं नियम अलग-अलग जगहों पर बिखरे हुए हैं, जिन्हें आसानी से समझने के लिये एक जगह एकत्र किया गया है।
- यह पुस्तक उन उद्यमियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगी, जो नए उद्यम स्थापित करने के लिये पर्यावरण से संबंधित कानूनों और विनियमों के पूर्ण ज्ञान से वंचित थे। इस पुस्तक से छात्रों, विधि शोधकर्त्ताओं और चिकित्सकों को भी लाभ होगा।
- उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी जनवरी 2021 में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने धीरा खंडेलवाल के दो कविता संग्रह 'मेघ मेखला' और 'रेशमी रस्सियाँ' का विमोचन किया था।

आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में गरीब परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा

चर्चा में क्यों ?

- 3 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में आयोजित आदर्श संस्कृति विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक में आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों (Model Sanskriti Senior Secondary School) में गरीब परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत गरीब परिवारों के उन बच्चों को मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी, जिनका परिवार पहचान-पत्र के तहत सत्यापन किया गया है।

नोट :

- इन विद्यालयों की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को इन स्कूलों का दौरा करने और इन स्कूलों की मासिक समीक्षा के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने एसडीएम, डीडीपीओ, तहसीलदार जैसे ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों को इन स्कूलों को गोद लेने का सुझाव भी दिया।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने बजट भाषण के दौरान राज्य के प्रत्येक प्रखंड में शासकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला एवं शासकीय आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय खोलने की घोषणा की थी, ताकि विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके।
- वर्तमान में, राज्य में 137 सरकारी मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और 1,418 आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय कार्यरत् हैं। आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों की संख्या में 27.90 प्रतिशत तथा आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालयों में 16.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

'इंटरनेशनल हरियाणा एजुकेशन सोसाइटी' के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने हरियाणा भवन में 'इंटरनेशनल हरियाणा एजुकेशन सोसाइटी' के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर ब्रिटेन से कार्यक्रम से जुड़ीं श्रीमती रेखा धनखड़ ने मुख्यमंत्री से सोसाइटी का पहला रजिस्ट्रेशन करवाया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवाओं के विदेश में पढ़ने और नौकरी पाने के सपने को राज्य सरकार पूरा करेगी। इसके लिये 'विदेश सहयोग विभाग' की स्थापना की गई है और ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है।
- इसी के साथ उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा विभाग की स्थापना पर विचार कर रही है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में छात्रों को बी.ए., एम.ए. डिग्री के साथ पासपोर्ट देने की पहल कर रही है तथा अब तक तीन हज़ार युवाओं के पासपोर्ट बनाए जा चुके हैं।

हरियाणा में गन्ने का मूल्य देश में सर्वाधिक

चर्चा में क्यों ?

- 9 सितंबर 2021 को हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक में किसानों को गन्ने के मूल्य में 12 रूपये की बढोत्तरी कर 362 रूपये प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही हरियाणा देश में गन्ने का सर्वाधिक मूल्य देने वाला राज्य बन गया है।
- जे.पी. दलाल ने कहा कि अब गन्ने की अगेती किस्म के लिए 362 रूपए प्रति क्विंटल व पछैती किस्म के लिए 355 रूपए प्रति क्विंटल का मूल्य दिया जाएगा, जोकि पहले 340 रूपए प्रति क्विंटल था।
- उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष के सभी निजी व सहकारी चीनी मिलों की रिकवरी गन्ने की क्वालिटी कमज़ोर रहने की वजह से 0.34 घटी है। इस बार जो रिकवरी आई है वह 10.58 से घटकर 10.24 आई है।
- कृषि वैज्ञानिकों ने गन्ने की एक नई किस्म 15023 विकसित की है, जिसकी रिकवरी 14 प्रतिशत तक रहने की उम्मीद है।

नोट :

शिवांशी यादव

चर्चा में क्यों ?

- 12 सितंबर, 2021 को हिसार स्थित चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा शिवांशी का इंडियन स्पेश रिचर्स ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) ने चयन किया है।

प्रमुख बिंदु

- शिवांशी उन 10 विद्यार्थियों में से एक है, जिन्हें देश भर से ISRO ने चयनित किया है।
- वह एक वर्ष तक ISRO और इसी डिग्री के दूसरे वर्ष की पढ़ाई नीदरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ टवेंटी ITC से करेगी।
- ज्ञातव्य है कि ISRO में चयनित चौ. चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज की छात्रा शिवांशी यादव मूल रूप से रेवाड़ी ज़िले के गाँव खुशपुरा की रहने वाली है।
- इनके पिता इंजीनियर विजय कुमार मेवात में कृषि विभाग में सहायक कृषि अभियंता के पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता पुष्पा यादव गृहिणी हैं।
- शिवांशी ने बताया कि एक साल देहरादून में कोर्स करने के बाद दूसरे साल नीदरलैंड में रिसर्च वर्क होगा। कृषि क्षेत्र में सेटेलाइट से कैसे और किस-किस तरह से मदद की जा सकती है, इसी पर उनका रिसर्च वर्क रहेगा।

हर-हित स्टोर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HAICL) के प्रबंध निदेशक रोहित यादव ने बताया कि हरियाणा के गाँवों में 2 अक्टूबर को आधुनिक रिटेल स्टोर 'हर-हित' खोले जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने बताया कि 'हर-हित' स्टोरों को खोलने की योजना 2 अगस्त को शुरू की गई थी।
- इस योजना के तहत हरियाणा सरकार स्टार्टअप के साथ-साथ लगभग एक दर्जन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs), किसान उत्पादक संगठनों (FPOs), सरकारी सहकारी संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिये एक मंच प्रदान करेगी।
- एक सितंबर से दुकानों हेतु जो स्थल स्थापित होने के लिये तैयार हैं, उनमें से 300 स्थलों का आवंटन किया जा चुका है, जबकि शेष स्थलों के आवंटन की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही योजना की फ्रेंचाइजी नीति के तहत 100 अनुबंध किये गए हैं।
- पहले चरण में 2000 'हर-हित' रिटेल स्टोर और दूसरे चरण में 3000 रिटेल स्टोर खोले जाएंगे।
- शहर में उपभोक्ताओं के साथ-साथ गाँवों के उपभोक्ताओं को भी समय-समय पर 5 से 50 प्रतिशत की विशेष छूट पर शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर की 50 कंपनियों से बेकरी, भोजन, होमकेयर, पर्सनल केयर आदि सहित शीर्ष एफएमसीजी उत्पाद इन दुकानों पर मिलेंगे।
- केयरखादी, वीटा, हैफेड सहित समूहों के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद भी हर-हित स्टोर्स में उपलब्ध कराए जाएंगे।
- सुचारु कामकाज सुनिश्चित करने के लिये इन स्टोरों को संपूर्ण आईटी सपोर्ट सिस्टम से लैस किया जा रहा है तथा सभी बिक्री पॉइंट ऑफ सेल सिस्टम के माध्यम से की जाएगी।
- फ्रेंचाइज पार्टनर को हर-हित पीओएस मशीन, ईआरपी सॉफ्टवेयर, फ्रेंचाइजी ऐप, ऑन-कॉल सपोर्ट सेल आदि सहित संपूर्ण आईटी समाधान प्रदान किये जाएंगे।
- पीओएस मशीन के माध्यम से सामान स्कैन करने, बिलिंग, ऑनलाइन भुगतान और स्टॉक ऑर्डर करने की सुविधा दी जाएगी।

नोट :

बकरियों का भी कृत्रिम गर्भाधान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार द्वारा कुछ समय पहले किये गए कृत्रिम गर्भाधान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार द्वारा 50 बकरियों पर ट्रायल किया गया, जिसमें पाया गया कि एक सामान्य बकरी द्वारा दिये जाने वाले औसतन 800 ग्राम दूध की तुलना में कृत्रिम गर्भाधान द्वारा उत्पन्न बकरी 1.5 लीटर दूध देती है।
- उल्लेखनीय है कि अभी तक गाय और भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान किया जाता रहा है, लेकिन अब बकरियों में भी किया जा रहा है, जिससे अच्छी नस्ल और अधिक वज़न के बकरे-बकरियाँ पैदा होंगे।
- देश में बकरियों की 26 प्रकार की नस्लें हैं। बकरियों के दूध में 4 प्रतिशत तक प्रोटीन की मात्रा होने के साथ वसा की मात्रा कम होने के कारण यह स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक होता है।

ऑनलाइन तबादला नीति पार्ट-2

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में हरियाणा सरकार ने आउटसोर्सिंग नीति पार्ट-2 के तहत लगे अनुबंध कर्मचारियों पर भी ऑनलाइन तबादला नीति लागू कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा सरकार की ओर से कर्मचारियों के तबादलों में पारदर्शिता और एकरूपता लाने के उद्देश्य से इस नीति के तहत लगे कर्मचारियों पर ऑनलाइन तबादला नीति लागू कर दी गई है।
- सरकार का फैसला विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्ड, निगमों में एक ही कैडर पदों पर अनुबंध के तहत नियुक्त 80 या इससे अधिक कर्मचारियों पर प्रभावी होगा।
- मुख्य सचिव की तरफ से सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड-निगमों के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों, सभी मंडलायुक्तों और डीसी को आदेश जारी कर दिया है।
- ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के अंतर्गत राज्य में एक कैडर के 80 या अधिक संख्या वाले कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा, अर्थात्कुल मिलाकर लगभग 15 हज़ार कर्मचारी इसके दायरे में आएँगे।

परिवार पहचान-पत्र

चर्चा में क्यों ?

- 15 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सभी विभागाध्यक्षों को 1 नवंबर, 2021 तक अपने-अपने विभागों की योजनाओं और सेवाओं को परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) से जोड़ने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- अंत्योदय की भावना से शुरू की गई पीपीपी राज्य सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र परिवारों को सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुनिश्चित कराना है।
- हर परिवार का परिवार पहचान-पत्र बनाने के लिये इस तरह की योजना बनाने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। अभी तक इस प्रकार की योजना न तो देश में शुरू की गई है और न ही विदेश में।
- पीपीपी योजना के लाभों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीपी को महाविद्यालयों में प्रवेश से जोड़ने के बाद छात्रों के डाटा का स्वत:सत्यापन किया गया। इसके साथ ही अब छात्रों को अपने सत्यापन कार्य के लिये इधर-उधर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

नोट :

- पहले लाभार्थियों के सत्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी, अब पीपीपी के जरिये सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी तरह पारदर्शिता आएगी।
- पीपीपी के आने से यह जानना आसान हो जाएगा कि कौन-सा व्यक्ति किस योजना का लाभ लेने के योग्य है और किसे इन योजनाओं का लाभ नहीं मिला है।
- इस योजना के प्रारंभ होने से अब सरकारी योजनाओं का लाभ भी स्मार्ट कार्ड के ज़रिये मिलेगा। स्मार्ट कार्ड को पीपीपी से जोड़ा जाएगा।
- प्रारंभ में आयुष्मान भारत, सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली, मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना और पेंशन योजना को स्मार्ट कार्ड से जोड़ा जा रहा है।

रियल टाइम डाटा अधिग्रहण प्रणाली (RTDAS)

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा में नहर के पानी की चोरी रोकने के लिये रियल टाइम डाटा एक्विजिशन सिस्टम (RTDAS) का उद्घाटन किया। पहले चरण में राज्य भर में 90 स्थानों पर RTDAS लगाए गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि RTDAS, नहर में छोड़े गए पानी और आखिरी टेल तक पहुँचने वाले पानी को ट्रैक करने में सक्षम होगा। यदि नहर के बीच में पानी चोरी का मामला आता है तो संबंधित अधिकारी को संदेश भेजा जाएगा। RTDAS के माध्यम से विभाग के पास नहरों में पूर्ण जल स्तर का डाटा भी उपलब्ध होगा।
- इस अवसर पर फेमिना मिस ग्रैंड इंडिया-2021 सुश्री मनिका श्योकंद को जल संरक्षण अभियान का सद्भावना 'राजदूत' नियुक्त किया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्ष जल प्रबंधन के लिये दोवर्षीय योजना तैयार की थी। इसके तहत 'मेरा पानी मेरी विरासत योजना' को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिला, क्योंकि इसके माध्यम से किसानों को 7,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।
- गौरतलब है कि हरियाणा सरकार द्वारा राज्य भर में जल जीवन मिशन और अन्य जल प्रबंधन योजनाओं को भी लागू की गई है। सिंचाई के लिये सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली योजना स्थापित की गई है, ताकि पानी की समस्या वाले दक्षिण हरियाणा के क्षेत्रों तक भी पानी पहुँच सके।

गोयल साइंस पुरस्कार की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने देश के चार विख्यात वैज्ञानिकों, प्रो. एन.के. मेहरा (एम्स, नई दिल्ली), प्रो. ए. अजयाघोष (सीएसआईआर, निस्ट, तिरुवनंतपुरम), प्रो. श्याम सुंदर (बीएचयू वाराणसी) एवं प्रो. रोहिनी गोडबोले (आईआईएससी, बंगलूरू) का चयन गोयल पुरस्कार के लिये किया है। प्रत्येक पुरस्कार में एक मेडल, प्रशस्ति-पत्र एवं दो लाख रुपए नकद शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति एवं चयन समिति के अध्यक्ष प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि इन वैज्ञानिकों ने क्रमशः व्यावहारिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान में विशेष योगदान दिया है।
- प्रो. मेहरा ने ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी एवं इम्यूनो जेनेटिक्स के क्षेत्र में और प्रो. अजयाघोष ने बायोलॉजी में मैटीरियल केमिस्ट्री के उपयोग पर विशिष्ट काम किया है। इसके अलावा प्रो. श्याम सुंदर ने वाइसेरल लेशमैनियासिस (काला-अज़ार) यानी लीवर और बोन मैरो के उपचार के लिये मिल्टेफास्टिन दवा विकसित की है, जिसका उपयोग कई देश कर रहे हैं। वहीं पँश्री प्रो. रोहिनी गोडबोले ने हाई एनर्जी फिजिक्स में विशेष योगदान दिया है।
- यूनिवर्सिटी की ओर से दिये जाने वाले गोयल साइंस पुरस्कारों के 30 सालों के इतिहास में इस बार तीसरी महिला वैज्ञानिक प्रो. रोहिनी गोडबोले को गोयल पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है।

नोट :

- इससे पहले 1992 में पहली बार प्रदान किये गए गोयल साइंस पुरस्कार में पद्म विभूषण आशिमा चटर्जी को और 2019 में प्रो. लक्ष्मीकांत को गोयल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- चयन समिति के सह अध्यक्ष प्रो. एस.पी. सिंह ने बताया कि गोयल साइंस पुरस्कारों के 30 सालों के इतिहास में अब तक मेडिकल साइंस क्षेत्र से चार ही वैज्ञानिकों का चयन हो पाया है, जिनमें 1995 में एम्स के डॉ. वेणुगोपाल और 2003 में एम्स के ही डॉ. के.के. तलवार शामिल रहे। वहीं इस बार दो वैज्ञानिकों प्रो. एन.के. मेहरा और प्रो. श्याम सुंदर को मेडिकल साइंस के क्षेत्र में गोयल पुरस्कार दिये जाएंगे।
- गोयल साइंस पुरस्कार की स्थापना 1992 में अमेरिका में बसे भारतीय रामस्वरूप गोयल ने की थी। ये पुरस्कार अब तक सौ से अधिक प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को दिया जा चुका है, जिनमंल डॉ. सी.एन.आर. राव, डॉ. आर.ए. माशेलकर और डॉ. कस्तूरीरंगन आदि प्रमुख हैं।

वाणिज्य उत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2021 को हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक डॉ. साकेत कुमार ने गुरुग्राम में दो दिवसीय 'वाणिज्य उत्सव' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय के तहत काम कर रहे परिधान निर्यात संवर्द्धन परिषद (AEPC) द्वारा इस राज्यस्तरीय 'वाणिज्य उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि भारत की 75 साल की आर्थिक प्रगति को प्रदर्शित करने के लिये देश के सभी 739 ज़िलों में 21 सितंबर से 26 सितंबर तक 'वाणिज्य उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। वहीं हरियाणा में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।
- इस अवसर पर डॉ. साकेत कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिये राज्य में एक निर्यात संवर्द्धन ब्यूरो स्थापित करेगी, जो निर्यातकों को संस्थागत सहायता प्रदान करेगा।
- उन्होंने कहा कि निर्यात की सुविधा के लिये राज्य के हर ज़िले में ज़िलास्तरीय निर्यात संवर्द्धन समिति (DLEPC) का गठन किया गया है। इसी तरह रसद, कृषि निर्यात और सेवा निर्यात जैसे सभी प्रकार के व्यापार संबंधी मुद्दों की समीक्षा के लिये राज्यस्तर पर एक व्यापार संवर्द्धन समिति का गठन किया गया है।
- हरियाणा में उद्यमियों और निर्यातकों को दी जा रही सुविधाओं तथा प्रोत्साहनों के बारे में एक प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी देते हुए डॉ. साकेत ने बताया कि वर्ष 2020-21 में 1,74,572 करोड़ रुपए के निर्यात मूल्य के साथ हरियाणा एक तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है।
- गौरतलब है कि हरियाणा से अमेरिका, सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, नेपाल आदि को चावल, रेडीमेड वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प, ऑटोमोबाइल और उनके घटक, धातु के बर्तन, मशीनरी और पुर्ज़े तथा दवाएँ और दवा उत्पाद मुख्य रूप से निर्यात किये जाते हैं। निर्यात करने वाले मुख्य ज़िले गुरुग्राम, पानीपत, करनाल, सोनीपत और फरीदाबाद हैं।

हरियाणा मधुमक्खीपालन नीति-2021 और कार्य योजना 2021-2030

चर्चा में क्यों ?

- 23 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य में मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा मधुमक्खीपालन नीति-2021 (Haryana Beekeeping Policy-2021) और कार्य योजना (Action Plan) 2021-2030 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 2030 तक शहद के उत्पादन को 10 गुना तक बढ़ाने का लक्ष्य रखने के निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को किसानों को मधुमक्खीपालन शुरू करने के लिये प्रेरित करने और 5000 नए किसानों को इसकी पहल करने के लिये प्रेरित करने का भी निर्देश दिया।

नोट :

- इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को मधुमक्खीपालन के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने में मदद करने के लिये छोटे किसानों पर ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि मधुमक्खीपालन से जुड़े किसानों को सूरजमुखी और सरसों जैसी वैकल्पिक फसलें बोने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहद और इसके उप-उत्पादों, जैसे- रॉयल जेली, बीवैक्स, प्रोपोलिस, मधुमक्खी पराग और मधुमक्खी के ज़हर की बिक्री से किसानों की आय कई गुना बढ़ जाएगी।
- उन्होंने कहा कि निजी उद्यमियों को मधुमक्खी बक्से के निर्माण के लिये व्यवसाय शुरू करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिये और विभाग को बक्से की गुणवत्ता की निगरानी करने के लिये बढ़ावा दिया जाना चाहिये।
- उद्यानिकी विभाग के महानिदेशक डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा देश में शहद उत्पादन में सातवें स्थान पर है। हरियाणा में 4800 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन होता है। 2019-2020 में देश ने लगभग 1 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया।
- उन्होंने बताया कि मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देने के लिये विभाग द्वारा विभिन्न पहल, जैसे- हनी ट्रेड सेंटर, विलेज़ ऑफ एक्सीलेंस, टेस्टिंग लैब आदि की स्थापना की जाएगी।

'गीता महोत्सव' की तर्ज़ पर 'कृष्ण उत्सव'

चर्चा में क्यों ?

- 22 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गीता महोत्सव की तर्ज़ पर 'कृष्ण उत्सव' का आयोजन करने हेतु इसकी रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार फरीदाबाद ज़िले में सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला और कुरुक्षेत्र के गीता महोत्सव का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्त्व है, उसी तरह प्रस्तावित 'कृष्ण उत्सव' का भी विशेष महत्त्व है। इसे इन्हीं उत्सवों की तरह आयोजित किया जाना चाहिये।
- उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण का हरियाणा की धरती से विशेष संबंध रहा है। कुरुक्षेत्र में उन्होंने अर्जुन को श्रीमद्भगवद् गीता का दिव्य संदेश दिया था।
- कृष्ण उत्सव में श्रीकृष्ण के जीवन की घटनाओं को झाँकी, संगीत, नृत्य और आधुनिक तकनीक की मदद से प्रस्तुत किया जाएगा।
- इसमें भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न रूपों का वर्णन दिखाया जाएगा। रासलीला से बाल लीला; भगवान कृष्ण के व्यक्तित्व को एक सामान्य मानव, राजा और कर्मयोगी आदि के रूप में चित्रित किया जाएगा।
- इस महोत्सव के दौरान झाँकी के माध्यम से कृष्ण के अवतार और उनकी रासलीला एवं संगीत कला को थिएटर के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। बाल गोपाल की कहानी को कहानी के माध्यम से वर्णित किया जाएगा और महाभारत में कृष्ण की भूमिका को आधुनिक तकनीक के ज़रिये दिखाया जाएगा।
- इसके साथ ही लोग उत्सव के दौरान देश भर में भगवान श्रीकृष्ण के सभी प्रसिद्ध मंदिरों की लाइव आरती देख सकेंगे।

हर-हित रिटेल स्टोर

चर्चा में क्यों ?

- 22 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई 'हर हित रिटेल स्टोर' योजना की समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य भर के 19 ज़िलों में स्थापित 71 'हर-हित रिटेल स्टोर' का उद्घाटन मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिये 7 अक्टूबर को करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 'हर हित रिटेल स्टोर' योजना में परिवार पहचान-पत्र योजना के तहत चिह्नित परिवारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये हैं। हरियाणा में इस योजना के प्रति युवाओं में काफी उत्साह है।

नोट :

- मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत चिह्नित हितग्राही यदि इस योजना के तहत ऋण लेते हैं तो उनके ऋण पर एक वर्ष का ब्याज सरकार वहन करेगी।
- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय, रोज़गार और आधुनिक बाज़ार को बढ़ावा देने के लिये मुख्यमंत्री की 'हर हित रिटेल स्टोर' योजना के तहत अब तक 1258 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 982 का सर्वेक्षण किया जा चुका है। 509 जो पात्र पाये गए हैं, उन्हें इस योजना का लाभ दिया गया है।
- बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वीटा के 5000 बूथ खोलने की योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बाज़ार आदि पर एक वीटा बूथ होना चाहिये। उन्होंने पोर्टेबल केबिन और खुले बूथ बनाने के भी निर्देश दिये, ताकि अधिक-से-अधिक लोगों को रोज़गार मिल सके।
- साथ ही, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि अन्य कंपनियों के उत्पादों को भी इन बूथों पर रखा जाए ताकि प्रतिस्पर्द्धा के अनुसार उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

पानीपत में पेंट निर्माण सुविधा हेतु आदित्य बिड़ला समूह द्वारा 1140 करोड़ रुपए का निवेश

चर्चा में क्यों ?

- 24 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पानीपत में हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड में एक बड़ी पेंट निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिये आदित्य बिड़ला समूह की एक टीम को नियमित आवंटन-पत्र (Regular Letter of Allotment) सौंपा।

प्रमुख बिंदु

- इस संबंध में सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पानीपत में आदित्य बिड़ला समूह को 1140 करोड़ रुपए के निवेश से पेंट निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिये 70 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है।
- प्रवक्ता के अनुसार मेगा प्रोजेक्ट कैटेगरी के तहत यह आवंटन खुले विज्ञापन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर किया गया है।
- इस इकाई द्वारा लगभग 550 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोज़गार मिलेगा और सहायक इकाइयों के प्रसार के माध्यम से क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मदद मिलेगी।

गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण प्रजनन पर राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र (VCBC), पिंजौर, हरियाणा में सेंट्रल जू अथॉरिटी (CZA) ने बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) के साथ भारत में गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण प्रजनन पर एक राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की।

प्रमुख बिंदु

- एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, इस कार्यक्रम में गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र, पिंजौर समन्वयक चिड़ियाघर और पाँच अन्य चिड़ियाघर- नंदनकानन जैविक उद्यान, भुवनेश्वर (ओडिशा), वन विहार राष्ट्रीय उद्यान और चिड़ियाघर, भोपाल (मध्य प्रदेश), सक्करबाग चिड़ियाघर, जूनागढ़ (गुजरात), नेहरू प्राणी उद्यान, हैदराबाद (तेलंगाना) और असम राज्य चिड़ियाघर, गुवाहाटी (असम) कार्यक्रम में भाग लेने वाले चिड़ियाघर हैं।
- सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि राजाभटखावा (पश्चिम बंगाल) और VCBC, रानी (असम) केंद्र जो संबंधित राज्य सरकारों के सहयोग से स्थापित किये गए हैं, ने भी बैठक में भाग लिया।
- इस समीक्षा बैठक में सभी केंद्रों के निदेशकों, पशु चिकित्सकों या जीवविज्ञानियों ने भाग लिया। इस दौरान VCBC, पिंजौर द्वारा विकसित एक 'मैनुअल फॉर वल्चर कीपर्स' जारी किया गया।

नोट :

- बैठक में सिफारिश की गई कि भारत में गिद्ध संरक्षण के लिये कार्य योजना (APVC), 2020-2025 में संरक्षण के लिये पहचान की गई दो अतिरिक्त प्रजातियों- लाल सिर वाले गिद्ध (सरकोजिप्स कैल्वस) और मिस्र के गिद्ध (नियोफ्रॉन पर्कोनोप्टेरस) को समन्वित संरक्षण प्रजनन के तहत लिया जा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि नब्बे के दशक के मध्य में गिद्धों की तीन जिप्स प्रजातियों- सफेद पीठ वाले, लंबी चोंच वाले और पतले बिल वाले की आबादी में डिक्लोफेनाक के उपयोग के कारण भारी गिरावट आई। उनकी संभावित विलुप्ति को रोकने के लिये CZDA ने वर्ष 2006 में गिद्ध संरक्षण हेतु कार्य योजना जारी करने के बाद इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

हरियाणा का पहला मशरूम सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2021 को हरियाणा वन विभाग ने बताया कि कवक, वनस्पति और जीवों की समृद्ध विविधता का पता लगाने तथा इसे संरक्षित करने के लिये हरियाणा का पहला मशरूम सर्वेक्षण, 30 सितंबर, 2021 को यमुनानगर ज़िले के कालेसर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- वन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सर्वेक्षण प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), हरियाणा और प्रसिद्ध माइकोलॉजिस्ट डॉ. एन.एस.के. हर्ष के मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिसमें कालेसर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य की कवक एवं मशरूम विविधता का आकलन किया जाएगा।
- इस सर्वेक्षण के परिणाम कालेसर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य के कवक, वनस्पतियों एवं जीवों के संरक्षण के लिये एक प्रभावी प्रबंधन रणनीति तैयार करने में मदद करेंगे तथा क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर आवास की गड़बड़ी और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अवलोकन का आधार भी बनेंगे।
- इस सर्वेक्षण का फोकस मशरूम पर होगा। हालाँकि तितलियों, मकड़ियों, उभयचर, मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारी विविधता तथा उनके संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं के लिये भी सर्वेक्षण किया जाएगा।
- प्रवक्ता ने कहा कि पेड़, झाड़ियाँ और जड़ी-बूटियाँ बिना फफूंद के भूमि पर नहीं रह सकतीं। वे कई कीड़ों और अन्य जीवों की खाद्य श्रृंखला का एक अभिन्न अंग हैं। कवक और मशरूम एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का एक अविभाज्य अंग हैं। कई कवक प्रजातियाँ (मशरूम) खाने योग्य हैं और इसके अलावा मशरूम विटामिन डी का एकमात्र शाकाहारी स्रोत है।
- इस एकदिवसीय सर्वेक्षण में वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून से पंद्रह वैज्ञानिक (कवक, कीड़े, मिट्टी, जलवायु परिवर्तन, वनस्पति विज्ञान, पादप शरीर क्रिया विज्ञान आदि क्षेत्रों में विशेषज्ञ), भारत के वन्यजीव संस्थान, देहरादून के दस वैज्ञानिक (भृंग, तितलियों, मधुमक्खियों, परागणकों, जुगनू, भौंरा, मधुमक्खियों, स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृप जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ), यमुनानगर के विभिन्न कॉलेजों के प्रोफेसर और जीव विज्ञान के छात्र, गैर-सरकारी संगठन, पक्षी प्रेमी और हरियाणा वन विभाग के अधिकारी भाग लेंगे।
- उल्लेखनीय है कि कालेसर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य एक अच्छी तरह से संरक्षित एवं प्रबंधित क्षेत्र है तथा विभिन्न जीवन रूपों की समृद्ध विविधता को आश्रय देता है।

पल्स पोलियो 2021-22 के दूसरे उप-राष्ट्रीय टीकाकरण (एसएनआईडी) दौर का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल ज़िले में पल्स पोलियो 2021-22 के दूसरे उप-राष्ट्रीय टीकाकरण (एसएनआईडी) दौर का उद्घाटन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस टीकाकरण में 25.7 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 5 वर्ष से कम उम्र के लगभग 13.21 लाख (51%) बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा चुकी है।
- स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अधिकांश ज़िलों में बूथों का उद्घाटन विधायक/उपायुक्त/नगर पार्षद/सिविल सर्जन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया है।
- उन्होंने बताया कि राज्य के 13 चिह्नित ज़िलों- अंबाला, फरीदाबाद, गुरूग्राम, झज्जर, करनाल, कुरुक्षेत्र, मेवात, पलवल, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सोनीपत और यमुनानगर में पोलियो मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिये टीकाकरण शुरू किया गया है।
- पहले दिन बूथ गतिविधि के दौरान छूटे हुए बच्चों को 27 सितंबर और 28 सितंबर को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों, जैसे- झुग्गी-झोपड़ियों, ईंट-भट्ठों, पलायन करने वाली आबादी और निर्माण स्थलों में घर-घर जाकर पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई जाएगी।

'समर्पण' पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

- 25 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 'समर्पण' पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य ऐसे स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करना है, जो समाज की सेवा करने के इच्छुक हैं और सामाजिक कार्यों के प्रति अपना समय एवं प्रयास समर्पित करके हरियाणा में सामाजिक उत्थान का एक अनिवार्य हिस्सा बन सकते हैं।

प्रमुख बिंदु

- पोर्टल लॉन्च करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से स्वेच्छा से काम करने वाले लोगों को जोड़ा जाएगा, जिसके बाद शिक्षा, कौशल विकास, खेल, कृषि आदि के क्षेत्र में युवाओं, सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित स्वयंसेवकों की सेवाएँ ली जाएंगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 'समर्पण' समाज के लिये कुछ अच्छा करने की इच्छा रखने वाले स्वयंसेवकों को एक मंच प्रदान करेगा, उदाहरण के लिये- यदि कोई बच्चों की मदद करना चाहता है तो इस पोर्टल पर पंजीकरण करके उन्हें शिक्षित कर सकता है या उन्हें खेल या कौशल प्रशिक्षण दे सकता है। इसी तरह अगर कोई महिलाओं के कल्याण के लिये काम करना चाहता है तो वह उन्हें पोषण, सशक्तीकरण या सुरक्षा के बारे में जागरूक कर सकता है।
- 'समर्पण' पहल के माध्यम से प्रदान की जाने वाली स्वैच्छिक सेवाएँ सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और पहल, जैसे- शिक्षा, महिला और बाल विकास, किसान कल्याण, कौशल विकास से जुड़ी हुई हैं।
- उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक सेवाओं की अनूठी विशेषता यह है कि वे व्यक्तिगत-आधारित हैं और समर्पण की इस महान भावना के माध्यम से कोई भी सरकार एवं स्थानीय समुदाय को सुशासन के लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर सकता है।

विदेश सहयोग विभाग (FCD) की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

- 25 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने विदेश सहयोग विभाग (FCD) की आधिकारिक वेबसाइट http:\\www.fcd.haryana.gov.in लॉन्च की।

प्रमुख बिंदु

- यह वेबसाइट हरियाणा के अनिवासी लोगों को हरियाणा में अपनी जड़ों को फिर से जोड़ने, फिर से खोजने और पुनर्जीवित करने का एक अविश्वसनीय अवसर प्रदान करती है। एफसीडी की वेबसाइट हरियाणा, हरियाणवी संस्कृति, हरियाणा में निवेश करने के कारण, राज्य के निर्यात प्रदर्शन आदि के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करती है।

नोट :

- वेबसाइट की नई विशेषताओं में हरियाणा के संभावित निर्यातकों के लिये डायस्पोरा पंजीकरण फॉर्म, निर्यात पंजीकरण फॉर्म, व्यापार सूचना फॉर्म और निर्यात गाइड शामिल हैं।
- विदेश सहयोग विभाग भारत में किसी भी राज्य द्वारा स्थापित अपनी तरह का पहला विभाग है। एफसीडी 'गो ग्लोबल अप्रोच' के माध्यम से हरियाणा को बदलने के राज्य सरकार के दृष्टिकोण का प्रचार करता है।
- एफसीडी हरियाणा सरकार का एक समर्पित विभाग है, जो राज्य की कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंध बनाने तथा हरियाणवी प्रवासी की सहायता के लिये ज़िम्मेदार है।
- एफसीडी का उद्देश्य विदेशी निवेश के लिये हरियाणा को सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना, हरियाणा से निर्यात को बढ़ावा देना, व्यापार को बढ़ावा देने के लिये देश-वार रणनीति तैयार करना, इनबाउंड और आउटबाउंड निवेश, हरियाणवी संस्कृति को आगे बढ़ाना है।
- यह विभाग आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिये देश-वार संचार रणनीति तैयार करने और निवेश, रोज़गार, शिक्षा, कौशल विकास, संस्कृति तथा एनआरआई/पीआईओ मामलों से संबंधित मामलों पर विदेशों में भारतीय मिशनों और भारत में विदेशी मिशनों के साथ संपर्क करने के लिये राज्य की नोडल एजेंसी भी है।

बाजरे की उपज 'भावांतर भरपाई योजना' में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- 28 सितंबर, 2021 को हरियाणा सरकार ने इस खरीफ सीजन से बाजरे की उपज को भी 'भावांतर भरपाई योजना' में शामिल करने का निर्णय लिया है। इससे पहले, हरियाणा में बागवानी फसलों के लिये भी 'भावांतर भरपाई योजना' लागू की जा चुकी है।

प्रमुख बिंदु

- यह योजना लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। इस योजना में 21 बागवानी फसलों को शामिल किया गया है।
- मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि बाजरे की खरीद के बारे में निम्नलिखित निर्णय लिये गए हैं-
  - बाजरे के औसत बाजार भाव व एम.एस.पी. के अंतर को भावांतर मानते हुए 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की फसल के सत्यापन उपरांत सही पाए गए किसानों को औसतन उपज पर 600 रुपए प्रति क्विंटल भावांतर दिया जाएगा।
  - बाजरे के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य 2250 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जबकि पड़ोसी राज्यों- राजस्थान और पंजाब में इस बार भी बाजरे का कोई एम.एस.पी. घोषित नहीं किया गया है और लगता है कि वे पहले की तरह इस बार भी बाजरे की खरीद नहीं करेंगे।
  - ये हरियाणा प्रदेश के उन किसानों का ही बाजरा खरीदने के लिये भावांतर पर भरपाई करने का निर्णय लिया गया है, जिन्होंने 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण करवाया है। उपज भाव को मेनटेन करने के लिये बाज़ार भाव पर 25 प्रतिशत उपज सरकारी एजेंसी खरीदेगी।
  - खरीफ सीजन 2021 में बाजरे के लिये 2 लाख 71 हज़ार किसानों ने 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण करवाया है। इसमें से लगभग 8 लाख 65 हज़ार एकड़ भूमि का सत्यापन हुआ है। खरीद शुरू होते ही किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 600 रुपए प्रति क्विंटल भावांतर औसत उपज के अनुसार भुगतान कर दिया जाएगा।
  - इस सीजन में सरकार पाँच फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेगी। खरीफ फसलों में बाजरे के अतिरिक्त मूँग, मक्का और धान की खरीद 1 अक्टूबर से तथा मूंगफली की खरीद 1 नवंबर से शुरू होगी।
  - इसके अलावा, राज्य सरकार पहली बार अरहर, उड़द और तिल की खरीद भी करने जा रही है, जो 1 दिसंबर से शुरू होगी।
  - किसानों को बाजरे के स्थान पर तिलहन और दलहन, जैसे- मूंग, अरहर, अरंडी, मूंगफली जैसी फसलें उगाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। बाजरे के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की बिजाई करने और कुल बाजरे का उत्पादन कम करने वाले किसानों को ही 4,000 रुपए प्रति एकड़ अनुदान दिया जाएगा।
  - प्रदेश में बाजरे की खरीद के लिये 86, मूंग की खरीद के लिये 38, मक्का के लिये 19 तथा मूंगफली की खरीद के लिये 7 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। धान की खरीद के लिये भी 199 खरीद केंद्र बनाए गए हैं।

नोट :

हरियाणा में पंचकूला के मोरनी-टिक्करताल में वाटर स्पोर्ट्स का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 29 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा राज्य के पंचकूला ज़िले में मोरनी क्षेत्र के टिक्करताल में विभिन्न साहसिक खेल गतिविधियों पैरासेलिंग, पैरामोटर और जेट स्कूटर आदि वाटर स्पोर्ट्स का औपचारिक उद्घाटन किया है।

प्रमुख बिंदु

- टिक्करताल में टूरिज़्म गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये वाटर स्पोर्ट्स, जैसे- पैरासेलिंग, पैरामोटर आदि खेल गतिविधियों को शुरू किया गया है।
- पिंजौर में भी हॉट बैलून गतिविधि को प्रारंभ करने के लिये कंपनी से समझौता हो चुका है।
- गोवा के बाद उत्तर भारत में हरियाणा के पंचकूला में टिक्करताल में ऐसी वाटर स्पोर्ट्स गतिवधियाँ शुरू हो रही हैं।
- मोरनी-टिक्करताल क्षेत्र में लोगों का रोज़गार बढ़ाने की योजना के तहत होम स्टे पॉलिसी बनाई गई है, जिससे लोगों की आमदनी तो बढ़ेगी ही, साथ ही पर्यटकों को भी अधिक सुविधा मिल सकेगी।

दृष्टि The Vision

नोट :